

श्रीः

पञ्चपराग ।

अर्थात्

पांच आख्यायिकाओं का संग्रह.

—:०*०:—

२ खीदर्शन तथा शुभचिन्तक से पुनर्मुद्रित.

—

श्रीमन्निम्बार्कसम्प्रदायाचार्य-

श्रीछबोलिलालगोस्वामि-लिखित,

एवं तदीय-

श्रीसुदर्शनप्रेस, वृन्दावन से

रूपकर प्रकाशित ।

—

[सर्वाधिकार रक्षित]

—

सन १९१६ ई०

—०—

प्रथमवार १०००

*

मूल्य १२ आने